राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

RNI NO. MAHHIN/2011/24374

▸ वर्ष : ०९ ▸ अंक: ४६ ▸ मुंबई, शुक्रवार, १७ जुलाई से २३ जुलाई २०२० ▸ पृष्ठ: ४ ▸ मुल्य : २/- रु.

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार, (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

तीन से चार महिने में हम जो बताई खबरे वह कहानी नही हकीकत है

१) कोरोना में राजनेती का खेल खेला गया? इससे कही दुखी हुए परिवार?

२) आज भी गरीब बीमारी से नीकल नही पा रहे हैं?

३) अमीरो का ईलाज हुआ , गरीबो की हुई मौते,जबाबदार कौन?

४) कोरोना में बडी तेहदात में मुस्लिम समाज के लोगों ने जान हथेली पर लेकर और सड़को पर आकर लोगों की मदत की हिंदु या मुसलमान नही देखा?

Har pal tv news.cmw.cin. chief news Editor.Jameel g khan.Mumbai India.

५) हमारे हिंदुस्तान देश की महिलाएं हुई मजबूर सड़कों पर बच्चे पैदा करने के लिए?

६) एक बडे शहर से अपने शहर में मजदूर १६०० से २००० km तक पैदल चल कर गये, महिलाएं बच्चे परीवार के पुरे लोग १) सड़क हादसे मे मरने पर मजबूर २) ट्रेन के पटरी पर थककर सो गये ट्रेन (रेलगाड़ी) ने कुचल डाला? ३) बच्चे भुख से तड़पते रहे? ४) देश के जिम्मेदारों की आखें बंद हो गई इसका जिम्मेदार कौन?

७) देश में कुछ पोलिस वाले ने लोगों और गरीबों की लाठी से कमर,पैदर , हाथों की हड्डियां तोड डाली, कानून का उठाया गलत फायदा(कोर्ट की कानून का किया उलंघन)

८) मजदुरों ने बड़े शहरों में काम करने से किया इनकार, जवाबदारी किसकी? अगर अपने गांव में काम नहीं मिला तो मजबूरन जाना होगा बच्चों को छोड़कर फिर वहीं

९) आखीर अल्लाह ईश्वर है या नही ? बडे लोगों का पैसा सब कुछ है?

१०) हम 'हर पल टाईम्स' और 'इलेक्ट्रोनिक मिडीया ग्रुप' की तरफ से गुजारीश करते है. कोरोने से ना घबराये हिम्मत से काम ले मौत और जींदगी ऊपर वाले के साथ में हैं । हम हर पल मौत को याद करते है? और खबरे सरकार तक पहुंचाते है। जनता की आवाज 'हर पल टाइम्स 'की खबर ।

चिफ एडिटर जमील जी. खान अब ऐसा लग रहा है दुनिया से इन्सानित खत्म होती चली जा रही है?

आप की कोई भी समस्या के लिए हमे इस नंबर पर संपर्म्क करे एमबीएल 7498535286.

प्लाज्मा डोनर का रैकेट चलाने वाले भेजे जाएंगे जेल: सिसोदिया

नई दिल्ली,लाज्मा डोनर उपलब्ध कराने के बदले कोरोना मरीजों के रिश्तेदारों से मोटी रकम वसूलने के रैकेट की रिपोर्ट प्रकाशित की थी। यह रैकेट पूरे देश में चलाया जा रहा है। इस रिपोर्ट के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्लाज्मा डोनर का रैकेट चलाने वालों को जेल भिजवाया जाएगा।

सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कोरोना के गंभीर मरीजों की जान बचाने के लिए प्लाज्मा थेरेपी शुरू की थी और जरूरतमंदों को आसानी से प्लाज्मा मिले, इसके लिए प्लाज्मा बैंक भी शुरू किए हैं। प्लाज्मा डोनेशन और मरीज को प्लाज्मा दिलवाने की औपचारिक व्यवस्था शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस संकट के समय भी अगर लोग प्लाज्मा को लेकर व्यापार कर रहे हैं तो सरकार उनसे सख्ती से निपटेगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि वे दिल्ली वालों से अपील करते हैं कि वे प्लाज्मा का रैकेट चलाने वालों के झांसे में न आएं। दिल्ली सरकार ने आईएलबीएस में प्लाज्मा बैंक बनाया है और अब एलएनजेपी में भी प्जाज्मा बैंक शुरू हो गया है। इन बैंकों में प्लाज्मा दान किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री ने प्लाज्मा का रैकेट चलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग भी इस तरह की ट्रेडिंग करते पकड़े जाएंगे, उनको जेल भिजवाया जाएगा। सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। कोरोना से ठीक हुए लोगों को प्लाज्मा डोनेट करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, लेकिन प्लाज्मा का व्यापार करने वालों से सरकार सख्ती से निपटेगी। सिसोदिया ने कहा कि कोरोना मरीजों की मदद के लिए प्लाज्मा को लेकर सरकारी व्यवस्था की गई है। लोगों को इसी व्यवस्था के तहत मरीज के लिए प्लाज्मा लेना चाहिए और प्लाज्मा डोनेट करना चाहिए।

राहुल गांधी से नाराज कांग्रेस की युवा ब्रिगेड, बन रहा है बगावत का माहौल

मुंबई, एक तरफ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से राहुल गांधी की ताजपोशी की भूमिका बनाई जा रही है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस के अंदर इस तरह की चर्चा है कि पार्टी में राहुल के खिलाफ बड़ा विद्रोह हो सकता है। कांग्रेस के भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी जिस तरह से पार्टी को चलाने की कोशिश कर रहे हैं, उससे दिन-ब-दिन पार्टी का नुकसान बढ़ता जा रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट के उदाहरण सबके सामने हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी से जुड़े एक सूत्र का कहना है कि पार्टी के तमाम नेता सोनिया गांधी को अपनी भावनाओं से अवगत करा चुके हैं। इस नेता का कहना है कि जिस तरह सोनिया गांधी ने कांग्रेस की कमान संभालने के बाद आपसी समन्वय और सलाह मशवरे से कांग्रेस को चलाया था पार्टी को चलाने का वही सबसे बेहतर तरीका है।

युवा नेता भी राहुल के खिलाफ!

इस सब घटनाक्रम के बीच एक सबसे खास बात यह निकलकर सामने आ रही है कि अब तक कांग्रेस में राहुल गांधी के खिलाफ ज्यादातर (शेष पेज २ पर)

गुना में फसाद की जड़ बसपा की पूर्व पार्षद नागकन्या, सरकारी जमीन पर कब्जा किया

गुना। मप्र के गुना जिले के कैंट थाना क्षेत्र की जिस जमीन से कब्जा हटाने के दौरान अनुसूचित जाति के राजू उर्फ राजकुमार अहिरवार व उसके परिवार के साथ पुलिस ने ज्यादती की वह सरकारी जमीन है। लगभग 50 करोड़ रुपये कीमत की इस 45 बीघा जमीन पर पिछले 30 साल से बसपा की पूर्व पार्षद नागकन्या एवं उनके पति गब्बू पारदी ने कब्जा कर रखा है। विवाद के बीच उन्होंने जमीन बोने के लिए राजू अहिरवार को दे दी थी। राजनीतिक रसूख के कारण नागकन्या को लंबे समय से प्रशासन बेदखल नहीं कर पा रहा था। यह जमीन शासन ने कॉलेज निर्माण के लिए आरक्षित की है। मंगलवार को पुलिस एवं प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर कब्जा हटाने की शुरूआत की तो विवाद हो गया। बटाईदार राजू ने पुलिस कार्रवाई का विरोध किया तो उसे लाठियों से पीटा गया। बचाव में उतरी उसकी पत्नी पर लाठियां पड़ गईं। इस घटना के बाद राजू ने कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की, जिससे मामला देशभर के मीडिया की सुर्खियों में आ गया। (शेष पेज २ पर)

दुबई के अस्पताल ने भारतीय कोरोना मरीज का डेढ़ करोड़ का बिल किया माफ

नवी दिल्ली, दुबई के एक अस्पताल ने मानवीय आधार पर तेलंगाना के एक कोरोना पॉजिटिव मरीज का भारतीय मुद्रा में 1.52 करोड़ रुपये का बिल माफ कर दिया। अस्पताल ने उसे एक पैसा वसूल किए बिना 80 दिनों के उपचार के बाद छुट्टी दे दी। तेलंगाना सरकार में एनआरआई सेल के वरिष्ठ अधिकारी ई चिट्टी बाबू के अनुसार, बुधवार को तड़के हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर, जगीतियल जिले के गोलापल्ली मंडल के वेणुगुमटला गांव के निवासी 42 वर्षीय ओडनला राजेश आए। चिट्टी बाबू ने बताया, हमने उनके परिवार के सदस्यों के साथ उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव किया। हमने उन्हें 14 दिन के लिए होम क्वारंटाइन में जाने की इजाजत देते हुए उनके पैतृक गांव भेज दिया।राजेश की पत्नी लक्ष्मी पेशे से धोबी हैं और दैनिक मजदूरी पर एक किसान के रूप में भी काम करती हैं। उनकी बेटी मोनिका (18) बी-कॉम की छात्रा है और उनका बेटा मधु (16) 12वीं कक्षा (इंटरमीडिएट) में पढ़ रहा है।कुछ साल पहले मजदूरी करने दुबई गए राजेश को 23 अप्रैल को दुबई के एक अस्पताल में बुखार और खांसी की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। इसके बाद उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। 80 दिनों के इलाज के बाद उन्हें सोमवार को छुट्टी दे दी गई।चिट्टी बाबू ने कहा, अस्पताल के अधिकारियों ने राजेश को 7,62,555 दिरहम (1.52 करोड़ रुपये) का बिल सौंपा, लेकिन उनके पास बिल चुकाने के लिए पैसे नहीं थे। एक स्थानीय तेलुगु एनआरआई गुंदेली नरसिम्हा राजेश के बचाव में आए। दुबई में गल्फ वर्कर्स प्रोटेक्शन सोसाइटी के अध्यक्ष नरसिंह शुरू से ही राजेश के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने इस मामले की जानकारी दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सुमंत रेड्डी को दी।रेड्डी ने बीएपीएस स्वामीनारायण ट्रस्ट के एक अन्य सामाजिक कार्यकर्ता अशोक कोटेचा के साथ दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास के हरजीत सिंह से अनुरोध किया कि वे गरीब की मदद करें। सिंह ने दुबई अस्पताल प्रबंधन को पत्र लिखकर उनसे मानवीय आधार पर बिल माफ करने के लिए कहा। इसके जवाब में अस्पताल प्रबंधन ने मरीज का बिल माफ करके उसे छुट्टी दे दी।

पालघर मामले में पुलिस पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका खारिज

पालघर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के पालघर जिले में दो साधुओं समेत तीन लोगों की हत्या की न्यायिक जांच और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली नई याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। जस्टिस अशोक भूषण, एसके कौल और एमआर शाह की पीठ ने कहा कि इस घटना के संबंध में अदालत ने पहले ही संज्ञान ले लिया है। एक के बाद एक याचिका सुने जाने का कोई सवाल ही नहीं है।याचिकाकर्ता जय कृष्ण सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी याचिका में देश में हाल ही में हुई गैर न्यायिक हत्याओं के बारे में भी चिंता जताई है। लेकिन वर्तमान याचिका पालघर की घटना से जुड़ी हुई थी। सिंह ने हत्या के समय घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए निर्देश मांगा था। उन्होंने 16 अप्रैल को कासा पुलिस स्टेशन के तहत तीन व्यक्तियों की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी भी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच स्थापित करने के लिए दिशा-निर्देश की मांग की। इसके अलावा याचिका में पुलिस अधिकारियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ मासिक आधार पर मुकदमे की निगरानी के लिए न्यायिक समिति का गठन करने की मांग की गई थी, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। 11 जून को शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार से सीबीआइ और एनआइए द्वारा अलग-अलग जांच की मांग करने वाली दो याचिकाओं पर जवाब मांगा था।

कैदियों की सजा माफी के राज्यों के अधिकार पर सात जजों की पीठ करेगी विचार

नई दिल्ली। राज्यपाल द्वारा हर मामले के तथ्यों और सामग्रियों की पड़ताल किए बिना और संविधान के तहत एक सामान्य नीति बनाकर क्या राज्य दोषियों को सजा माफी का लाभ दे सकते हैं, इस मसले को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सात जजों की पीठ को संदर्भित कर दिया। इस मामले ने शीर्ष अदालत का ध्यान तब आकर्षित किया जब हत्या के एक दोषी प्यारे लाल की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बताया गया कि उसे राज्य सरकार की नीति के मुताबिक हरियाणा के राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद-161 के तहत दी गई सजा माफी की वजह से जेल से रिहा कर दिया गया है।

संविधान के अनुच्छेद-161 के तहत मिले अधिकारों से राज्य देते हैं कैदियों को सजा माफी

हरियाणा सरकार ने पिछले साल स्वाधीनता दिवस के मौके पर संविधान के अनुच्छेद-161 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कुछ वर्ग के कैदियों को विशेष सजा माफी देने का फैसला किया था। मसलन, हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाए 75 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे पुरुष कैदियों को सजा माफी दी गई जिन्होंने सजा के आठ साल पूरे कर लिए हों। हालांकि सीआरपीसी की धारा-433ए के तहत उम्रकैद की सजा पाए व्यक्ति को 14 साल जेल में बिताए बिना सजा माफी नहीं दी जा सकती।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख बोले, सुशांत सिंह राजपूत मामले में CBI जांच की जरूरत नहीं

मुंबई, महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में सीबीआई जांच की जरूरत नहीं और मुंबई पुलिस मामले को संभालने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि वह ह्यबिजनेस राइवलरीह्न के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। आपको बता दें कि अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह से अभिनेता सुशांत राजपूत की मौत के मामले की सीबीआई जांच का आदेश देने का अनुरोध किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन दबावों ने राजपूत को आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। राजपूत गत 14 जून को बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए देशमुख ने कहा कि मुंबई पुलिस अभिनेता की मौत के मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और कई लोगों के बयान दर्ज कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मामले को सीबीआई को देने की कोई आवश्यकता नहीं। हमारे पुलिस अधिकारी मामले की सही दिशा में जांच करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस बिजनेस में दुश्मनी के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस अब तक इस मामले में दो दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है, जिसमें रिया चक्रवर्ती, फिल्म निमार्ता संजय लीला भंसाली, बॉलीवुड के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश, छाबड़ा और राजपूत के परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला कि उनका अवसाद के लिए इलाज चल रहा था। सार्वजनिक तौर पर पहली बार खुद को राजपूत की गर्लफ्रेंड संबोधित करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि सरकार में उनका पूरा भरोसा है और सीबीआई जांच इस मामले में न्याय दिलाने में सहायक होगी।

बाकी पेज १ का

गुना में फसाद की जड़ बसपा की पूर्व पार्षद नागकन्या...

दरअसल, राजू उर्फ राजकुमार अहिवार को दो साल पहले नागकन्या और गब्बू ने विवादित जमीन बटाई पर दे दी थी। वह उस पर खेती करने लगा। पिछले साल दिसंबर में भी प्रशासन ने जमीन से कब्जा हटाने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हो पाई। तब पुलिस ने खड़ी फसल को कुचल दिया। तब भी राजू के पास ही बटाई पर यह जमीन थी। फसल नष्ट हो गई, जिससे करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ। खेती के लिए रुपये उधार लिए थे, उस पर ब्याज का चक्र बढ़ता जा रहा था। इसलिए उसने दोबारा इस जमीन में सोयाबीन आदि की बोवनी कर दी। इस उम्मीद के साथ कि अच्छी पैदावार होने पर पूरा कर्जा चुकाकर विवादित जगह को छोड़ दूंगा, लेकिन 14 जुलाई को जब प्रशासनिक टीम कार्रवाई के लिए पहुंची, तो दोबारा नुकसान होता देख राजू व उसके परिवार ने आत्महत्या करने का रास्ता अपना लिया। खास बात तो यह है कि इस पूरे घटनाक्रम से गब्बू पारदी और नागकन्या दूर ही रहे। इन दोनों ने बटाईदार राजू के परिवार को आगे कर दिया था।

छह भाइयों का परिवार, किसी के पास जमीन नहीं

छह भाइयों में राजू अहिरवार तीसरे नंबर का है। ये सभी गुना शहर के नानाखेड़ी में कच्चे घर में रहते हैं। घटना के समय मारपीट का शिकार हुए राजू के भाई शिशुपाल बताते हैं कि उनके पास न तो कोई जमीन है और न ही रोजगार का सा;घळ-ऊिझ ान। इसलिए सभी भाई बटाई पर जमीन लेकर ही अपना परिवार पाल रहे हैं। करीब दो साल पहले उनका गब्बू पारदी से संपर्क हुआ, जिसके बाद यह जमीन बटाई पर मिली। ने बताया कि उनके परिवार पर करीब छह लाख रुपये का कर्जा है। इसमें ढाई-तीन लाख रुपये अलग-अलग व्यापारियों के हैं, जिस पर दो प्रतिशत के हिसाब से ब्याज भी देना है। हमने तो प्रशासन से सिर्फ दो माह का समय मांगा था, ताकि फसल को काट लें और अपना कर्जा चुका सकें। पिछली फसल पर भी जेसीबी चला दी गई थी। इस बार फिर से जेसीबी चलना शुरू हुई, तो हमारे पास कोई विकल्प ही नहीं बचा।

पार्षद पति 80 बीघा जमीन का मालिक, आलीशान मकान

वर्ष 2009-13 के बीच गुना के वार्ड क्रमांक 23 से नागकन्या बहुजन समाज पार्टी की पार्षद रही हैं। इस घटनाक्रम के बाद हटाए गए गुना के कलेक्टर एस. विश्वनाथन बताते हैं कि गब्बू पारदी भू-माफिया की श्रेणी में आता है, वह विवाद के समय मौके से गायब हो गया था। उसके नाम पर सरकारी रिकॉर्ड में 80 बीघा से अधिक जमीन है। इसके अलावा दो से तीन बीघा में इसका आलीशान मकान बना है। वह करीब 50 करोड़ रुपये कीमत की उक्त जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। इससे पूर्व दिसंबर 2019 में जब एसडीएम शिवानी गर्ग इस जमीन पर कब्जा हटाने के लिए गई थी तब मौके पर मौजूद नागकन्या ने विवाद खड़ा कर दिया था। उसने एसडीएम को न सिर्फ धमकाया, बल्कि गोद में लिए एक बच्चे को भी जमीन पर पटककर मारने का प्रयास किया था। उस समय एसडीएम ने बच्चे को बचा लिया था।

राहुल गांधी से नाराज कांग्रेस की युवा...

वरिष्ठ और बुजुर्ग नेता थे लेकिन अब युवा नेता जिन्हें राहुल ब्रिगेड के नाम से भी जाना जाता है, वह भी राहुल के खिलाफ बगावत पर उतर आए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट के उदाहरण तो सबके सामने हैं, लेकिन इसकी शुरूआत प्रियंका चतुर्वेदी और संजय झा से हो चुकी है, जो कभी कांग्रेस के प्रवक्ता हुआ करते थे।

प्रिया दत्त ने किया पायलट के समर्थन में ट्वीट

राजस्थान के सियासी संकट के बाद मंगलवार को जिस तरह से प्रिया दत्त ने ट्वीट कर ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट की बगावत का समर्थन किया है, उससे यह संदेश भी जा रहा है कि महाराष्ट्र और मुंबई में भी राहुल गांधी के खिलाफ विद्रोह पक रहा है। लंबे समय से राजनीतिक परिदृश्य से गायब प्रिया दत्त का अचानक जागरूक होकर राजस्थान कांग्रेस के संकट पर ट्वीट कर सचिन पायलट का समर्थन करना कांग्रेसियों की नजर में एक असामान्य घटना है। कांग्रेसी जानकार इसे एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। प्रिया ने अपने ट्वीट में लिखा, मेरे एक और दोस्त ने पार्टी छोड़ दी। सचिन पायलट और ज्योतिरादित्य सिंधिया दोनों ही बेहद काबिल और जवान उम्मीदों के नेता हैं। हमारी पार्टी ने इन दोनों नेताओं को गवा दिया। महत्वाकांक्षी होना गलत तो नहीं है ऐसा मुझे लगता है। सचिन पायलट और ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दोनों ने मुश्किल के समय में पार्टी के लिए मेहनत की।

मिलिंद देवड़ा भी चल रहे हैं नाराज

प्रिया के इस ट्वीट को राहुल गांधी के खिलाफ माना जा रहा है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि राहुल की युवा ब्रिगेड के सबसे दमदार सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा भी राहुल गांधी से नाराज चल रहे हैं। हालांकि, राजस्थान प्रकरण के दौरान मिलिंद देवड़ा ने चुप्पी साध रखी है।

निरुपम ने पार्टी नेतृत्व के रवैये से खुश नहीं

वहीं राहुल गांधी के करीबी समझे जाने वाले मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम भी पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष और असहमति को खत्म न कर पाने के पार्टी नेतृत्व के रवैया से खुश नहीं हैं। निरुपम सोमवार को ही ट्वीट कर अपनी नाखुशी जाहिर कर चुके हैं। निरुपम ने कांग्रेस आलाकमान के सामने यह सवाल उठाया कि एक के जाने से पार्टी खत्म नहीं होगी, लेकिन सब चले गए तो पार्टी में कौन बचेगा?

संपादकीय

साइबर असुरक्षा

जैसे-जैसे साइबर संसार बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे वहां सुरक्षा की चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं। समय के साथ साइबर दुनिया जरूरी होती जा रही है, लेकिन उससे जुडे. भय भी कम होने का नाम नहीं ले रहे। जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और सबसे सशक्त सॉफ्टवेयर कंपनी के संस्थापक बिल गेट्स के ट्विटर अकाउंट सुरक्षित नहीं हैं, तब बाकी अकाउंट्स की सुरक्षा का अनुमान मुश्किल नहीं है। इस तरह की साइबर हैकिंग से भले कोई बड़ा नुकसान हुआ न दिखता हो, पर इसने साइबर सुरक्षा व भरोसे में पहले से ही लगी सेंध को और चौड़ा तो कर ही दिया है। दरअसल, हम साइबर अपराध को अभी भी यथोचित गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार, दुनिया में प्रति मिनट 29 लाख डॉलर का नुकसान साइबर अपराध की वजह से हो रहा है। साल 2017 के आंकडे.बताते हैं कि प्रतिदिन साइबर दुनिया में करीब 7,80,000 दस्तावेज हेराफेरी या चोरी की भेंट चढ़े थे। ऐसा भी नहीं है कि साइबर सुरक्षा के काम में लगी एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठी हों। जैसे, करोड़ों की संख्या में पहुंच चुके एप्स में करीब 24,000 संदिग्ध एप्स प्रतिदिन बाधित किए जाते हैं, लेकिन ये कोशिशें ऊंट के मुंह में जीरा बराबर हैं। साल 2015 में तीन ट्रिलियन डॉलर साइबर अपराध की भेंट चढ़ गए थे और साल 2021 तक यह आंकड़ा छह ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। जिस तरह से साइबर दुनिया का विस्तार हो रहा है, उसी तरह से सुरक्षा उपायों और निगरानी तंत्र का विकास करना होगा। इस साल दुनिया भर में 300 अरब से ज्यादा पासवर्ड हो जाएंगे, बढ़ती संख्या के साथ उन्हें सुरक्षित रखने की चुनौती भी बढ़ती जाएगी। आए दिन किसी सोशल अकाउंट की हैकिंग मुख्यतः पासवर्ड की चोरी की वजह से ही संभव होती है। साइबर दुनिया के शातिर चोरों को पता है कि पासवर्ड का कौन-सा ताला कैसे खुल सकता है, इसलिए उनके लिए सरल पासवर्ड का अनुमान लगाना कठिन काम नहीं है। साइबर दुनिया में 21 फीसदी से ज्यादा फाइलें असुरक्षित हैं, उन पर किसी तरह का ताला नहीं है। आश्चर्य नहीं कि कंपनियों को तीन महीने बाद किसी डा-टा या फाइल की चोरी का पता चलता है। जब व्यवस्थित कंपनियों को अपना डाटा सुरक्षित रखने में जोर आ रहा है, तब आम लोग कितने असुरक्षित होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। ओबामा और गेट्स जैसी हस्तियों पर हुए साइबर हमलों के बाद दुनिया को ईमानदारी से सोचना चाहिए। सुगठित सरकारों, संगठित राजनीति व राजनेताओं पर भी खतरा बढ़ चुका है। साल 2017 में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों का ई-मेल हैक हो गया था और ऐसा चुनाव से कुछ ही पहले हुआ था। बहुत संभव है, इसका असर फ्रांस के चुनावों पर भी पड़ा हो। बहुत-सी हमारी बातें हैं, जिन्हें साइबर अपराधी हमसे कहीं ज्यादा जानते हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक और दुखद चेहरा है। दुर्भाग्य से साइबर अपराधी और डाटा चोरी को रोकना आसान नहीं है, क्योंकि नैतिकता का दावा करने वाली सरकारें भी अपने प्रतिस्पर्द्धियों से जुडे. डाटा चुराने में गुरेज नहीं करतीं। ऐसे में, सजग सरकारों को अपने-अपने दायरे में साइबर सुरक्षा कवच तैयार करना चाहिए। पूरी हैकिंग को कठघरे में खड़ा करने की बजाय नैतिक हैकिंग को बढ़ावा देना और अनैतिक हैकिंग पर चोट करने की जरूरत बहुत बढ़ गई है।

कोरोना का खतरा बता इंद्राणी ने मांगी जमानत, कोर्ट ने खारिज की याचिका

मुंबई,मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने शीना बोरा हत्या मामले में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी की अंतरिम जमानत याचिका बुधवार को खारिज कर दी। इंद्राणी मुखर्जी ने कोरोना वायरस का संक्रमण होने का खतरा बताते हुए जमानत याचिका दायर की थी। मुंबई के भायखला महिला कारागार में बंद मुखर्जी ने पिछले महीने याचिका दायर कर कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा जताते हुए अस्थायी रिहाई का अनुरोध किया था। बहरहाल विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश जे सी जगदाले ने बुधवार को उसकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

स्थाई जमानत की चार याचिकाएं हो चुकी हैं खारिज

अदालत ने इससे पहले चिकित्सा आधार पर दायर उसकी चार नियमित जमानत अर्जियों को भी खारिज कर दिया था जबकि एक अन्य याचिका अब भी लंबित है। अपनी नयी याचिका में मुखर्जी ने कोरोना वायरस और अपने मेडिकल इतिहास का हवाला देते हुए 45 दिनों के लिए अस्थायी जमानत मांगी थी।

2015 से न्यायिक हिरासत में हैं इंद्राणी

इंद्राणी की ओर से कहा गया कि महाराष्ट्र में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर यह नहीं मालूम कि मुकदमा या जमानत के लिए सुनवाई कब शुरू होगी। याचिका में यह भी कहा गया कि वह अगस्त 2015 में गिरफ्तार होने के बाद से ही न्यायिक हिरासत में है और मस्तिष्क की धमनियों में खून के अपर्याप्त प्रवाह की बीमारी से जूझ रही है। उसके मेडिकल इतिहास और उच्चाधिकार प्राप्त समिति द्वारा जारी दिशा निदेर्शों पर विचार करते हुए अदालत को उसे अंतरिम जमानत देनी चाहिए।

2012 में हुई थी शीना बोरा की हत्या

आपको बता दें कि इंद्राणी मुखर्जी ने अपने ड्राइवर श्यामवर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना के साथ मिलकर अप्रैल 2012 में अपनी बेटी शीना बोरा (24) की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी थी। पड़ोसी रायगढ़ जिले के जंगल में उसका शव जला दिया गया था। खन्ना इस मामले में सह-आरोपी है। हत्या की साजिश का हिस्सा बनने के आरोप में पूर्व मीडिया कारोबारी पीटर मुखर्जी को भी गिरफ्तार किया गया। वह अभी जमानत पर बाहर है।

जमीन विवाद में प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने से नाराज छात्र नेता ने की आत्मदाह की कोशिश

भागलपुर, पड़ोसी के रास्ता बंद करने और शिकायत के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा कार्रवाई नहीं किये जाने से परेशान लॉ कॉलेज के पूर्व छात्र नेता धर्मराज शर्मा ने एसडीएम कार्यालय में खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। घटना शुक्रवार दोपहर लगभग तीन बजे की है। ऐसा होता देख वहां मौजूद पुलिस जवानों ने उसे पकड़ लिया। बाद में जोग्सर पुलिस उसे थाना लेकर गई। जगदीशपुर सीओ भी थाना पहुंचे। सीओ के बयान पर धर्मराज के खिलाफ केस दर्ज किया गया है जिसमें कोविड को लेकर दिये निर्देश का पालन नहीं करने और आत्मदाह का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। जोगसर ओपी प्रभारी अजय कुमार अजनबी ने बताया कि शनिवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जायेगा। धर्मराज और उसके पिता का कहना है कि उसके घर से निकलने का रास्ता बंद किया जा रहा है। वहां पड़ोसी कंस्ट्रक्शन करवा रहा है। उसका आरोप है कि लंबे समय से उस कंस्ट्रक्शन पर रोक को लेकर वह दौड़ रहा है। उसके पिता ने कहा कि उस जमीन की कई बार मापी भी कराई गयी है। उनका यह भी कहना है कि पुलिस की जांच भी हुई है और वहां पर 144 लगाने को लेकर कुछ महीने पहले ही उन्होंने एसडीएम कार्यालय में आवेदन दिया है। उनका आरोप है कि एसडीएम उनसे मुलाकात नहीं कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों से वे लगातार एसडीएम कार्यालय आ रहे थे पर मुलकात तो दूर उनको कॉल करने पर भी बात नहीं हो रही थी। धर्मराज का कहना है कि प्रशासन ने उसकी बात नहीं सुनी तो उसके पास जान देने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचा था। इस मामले पर थाने में आवेदन देकर केस कराने वाले जगदीशपुर सीओ का कहना है कि धर्मराज ने कोविड को लेकर निर्देश का पालन नहीं किया और उसने वहां पर भीड़ इकट्ठा की। उनका कहना है कि 25-30 लोगों को वह साथ लेकर आया था। हालांकि घटना के समय बनाये गये वीडियो क्लिप में कहीं भी उतने लोगों की भीड़ नहीं दिख रही थी। सीओ का यह भी कहना है कि उसके आवेदन पर कानूनी कार्रवाई हो रही थी पर उन्हें इंतजार करना चाहिए था क्योंकि उसकी इच्छा के अनुसार कार्रवाई नहीं हो सकती।

महाराष्ट्र में पाठ्यपुस्तक में क्रांतिकारी सुखदेव का नाम न होने पर विवाद

मुंबई, महाराष्ट्र में कक्षा आठ की एक मराठी पाठ्यपुस्तक में शहीद भगत सिंह और राजगुरु के साथ क्रांतिकारी सुखदेव का नाम न होने पर पुणे के दो संगठनों ने आपत्ति जताई है। ब्राह्मण महासंघ और संभाजी ब्रिगेड ने आरोप लगाया कि इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। ह्यमझया देशावर माझे प्रेम आहे (मैं अपने देश से प्रेम करता हूं) शीर्षक वाले पाठ में कहा गया है कि भगत सिंह, राजगुरु और कुरबान हुसैन ने देश के लिए अपना बलिदान दिया, लेकिन इसमें सुखदेव का नाम नहीं है।उल्लेखनीय है कि सांडर्स हत्याकांड में क्रांतिकारी सुखदेव को भगत सिंह और राजगुरू के साथ ही ब्रितानिया हुकूमत ने 23 मार्च 1931 को फांसी दी थी।किताब में कहा गया है कि भगत सिंह, राजगुरु और कुरबान हुसैन देश के लिए फांसी के फंदे पर चढ़ गए। हालांकि, इसमें यह नहीं कहा गया है कि हुसैन को शहीद ए आजम भगत सिंह और राजगुरु के साथ फांसी दी गई थी। संबंधित अध्याय में भगत सिंह और राजगुरु के साथ सुखदेव का नाम न होने पर विवाद है।राज्य की विद्यालय शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि संबंधित अध्याय 2018 में पाठ-यपुस्तक में उस समय शामिल किया गया था जब राज्य में भाजपा नीत सरकार थी।उन्होंने कहा कि संबंधित पंक्ति जाने-माने लेखक दिवंगत यदुनाथ की किताब से ली गई है और इसे उनके परिवार की अनुमति के बिना नहीं बदला जा सकता। कांग्रेस नेता ने कहा कि पाठ्यक्रम केंद्र की नई शिक्षा नीति आने के बाद ही बदला जा सकता है।

कुलभूषण जाधव के लिए पाकिस्तान ने भारत को दिया तीसरा काउंसलर एक्सेस

नई दिल्ली, पाकिस्तान ने अपनी जेल में बंद कुलभूषण जाधव के लिए भारत को तीसरा काउंसलर एक्सेस दिया है। पाकिस्तान मीडिया के अनुसार पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि बैठक के दौरान सुरक्षा कर्मियों को नहीं रखने की भारत की मांग को भेजा गया है। पाकिस्तान की जेल में बंद कुलभूषण जाधव के मामले में पाकिस्तान के एडीश्नल अटॉर्नी जनरल ने कहा कि 17 जून 2020 को भारतीय राष्ट्रीय कुलभूषण जाधव को उनकी सजा पर पुनर्विचार के लिए एक याचिका दायर करने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपने कानूनी अधिकार का प्रयोग करते हुए उन्होंने अपनी सजा पर पुनर्विचार के लिए याचिका दायर करने से इनकार कर दिया। कुलभूषण जाधव ने इसके बजाय उनकी लंबित दया याचिका का पालन करना पसंद किया। पाकिस्तान ने उन्हें 8 जुलाई को दूसरा काउंसुलर एक्सेस ऑफर किया था। आपको बता दें कि भारतीय नौसेना के रिटायर्ड अधिकारी कुलभूषण जाधव पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। अप्रैल 2017 में पाकिस्तान सैन्य अदालत ने जाधव को जासूसी और आतंकवाद के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी। बाद में भारत जाधव तक राजनायिक पहुंच प्रदान करने से इनकरा करने और मौत की सजा को चुनौती देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ आईसीजे पहुंचा था जहां पर जीत मिली थी।

गोरखपुर में कम उम्र के बदमाश बने चुनौती, पुलिस ऐसे तैयार कर रही है दबोचने का खाका

गोरखपुर। गोरखपुर में कम उम्र के बदमाश भी पुलिस के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में लूट, चोरी, छिनैती में कई कम उम्र के लोगों के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने इनकी सूची तैयार कराई है। तीन साल में करीब सात सौ बदमाश सामने आए हैं जो इस तरह के अपराध में लिप्त हैं। अब इन बदमाशों पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज कर दी गई है। इनकी मानीटरिंग के लिए पुलिस अधिकारी प्लान तैयार कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इन लोगों पर लगाम कसकर क्राइम कंट्रोल किया जा सकता है।

पुलिस के मुताबिक, जिन नए लड़कों पर पुलिस की नजर है, उनमें ज्यादातर 14 साल से लेकर 25 साल के बीच हैं। इनमें कुछ ऐसे भी हैं जो लगातार बेव सीरीज देखते रहे हैं। उनके आइडल पेशेवर अपराधी हैं। ऐसे युवकों के बारे में गोपनीय जानकारी जुटाई जा रही है।

झंगहा क्षेत्र में दावत के बहाने बुलाकर दो युवकों को गोली मारे जाने की घटना के बाद व्हाट्सएप ग्रुप पर शातिरों के सक्रियता की बात सामने आई थी। इसलिए उन युवकों को भी पुलिस चिह्नित कर रही है जिनका नाम पहले किसी मामले में सामने आ चुका है। जेल में है या फिर बाहर, जांचेंगी पुलिस

कम उम्र के बदमाशों द्वारा लूटपाट के कई मामले सामने आए हैं। इनमें शाहपुर में रिटायर कर्मचारी से नकदी लूट का प्रकरण भी शामिल है। इसके अलावा कई अन्य मामलों की जांच चल रही है। हर छोटी-मोटी घटना पर पुलिस की नजर है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन घटनाओं में शामिल बदमाशों की तलाश की जा रही है।

इसके अलावा पुलिस हाल के दिनों में जेल से पेरोल पर रिहा होने वाले बदमाशों की निगरानी भी कर रही है। तीन बदमाशों की कोई लोकेशन पुलिस को नहीं मिल रही है। साथ-साथ ही तीन-चार महीनों के भीतर घटित हुए मामलों में गिरफ्तारी से बचे बदमाशों को लेकर मंथन चल रहा है।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 8308 नए मामले, 258 और मरीजों की मौत, कुल संक्रमित 2.92 लाख

मुंबई, महाराष्ट्र में एक दिन में कोविड-19 के 8,308 नए मामले सामने आने से शुक्रवार (17 जुलाई) को राज्य में इसके कुल मामले बढ़कर 2,92,589 हो गए। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग ने दी। राज्य में ऐसा तीसरी बार हुआ है जब राज्य में एक दिन में कोविड-19 के आठ हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं।

बृहस्पतिवार (16 जुलाई) को राज्य में एक दिन में सबसे अधिक 8,641 नए मामने सामने आए थे, जबकि 11 जुलाई को 8,139 व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित पाए गए थे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को कोविड-19 से 258 और मरीजों की मौत होने से राज्य में मृतक संख्या बढ़कर 11,452 हो गई।

विभाग ने कहा कि दिन में कुल 2,217 मरीजों को ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दी गई जिससे राज्य में अभी तक ठीक हुए मरीजों की संख्या बढ़कर 1,60,357 हो गई। राज्य में वर्तमान में उपचाराधीन मामलों की संख्या 1,20,780 है। अभी तक राज्य में 14,84,630 लोगों की कोविड-19 के लिए जांच की गई है।

धारावी में कोरोना मामलों की कुल संख्या 2438

वहीं, मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में कोरोना वायरस संक्रमण के 10 नए मामले सामने आने के साथ ही इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या बढ़ कर 2438 हो गई है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि धारावी में अभी 102 लोगों का इलाज चल रहा है और 2087 मरीज इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं।

स्थानीय निकाय ने हालांकि पिछले महीने से यहां झुग्गी बस्ती में होने वाली मौत का आंकड़ा देना बंद कर दिया है। दादर एवं माहिम इलाकों में शुक्रवार को क्रमशः 43 और 14 नए मामले सामने आए हैं। इन इलाकों में धारावी की झुग्गियां भी हैं। ये इलाके जी उत्तर वार्ड में आता है जहां अबतक कोविड-19 के 5257 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 2438 धारावी में हैं।

लखनऊ एक बार फिर शर्मसार, दो दिन के नवजात को झाड़ियों में फेंका

लखनऊ, नौ महीने तक गर्भ में वह इस आस में पला कि जल्द ही दुनिया में आकर किलकारी भरेगा, लेकिन दुनिया में आते ही उसे झाड़ियों में फेंक दिया गया। मंगलवार को दो दिन का यह नवजात इंटौंजा के नौवाका पुरवा के पास पाया गया। इसे राजकीय बालगृह शिशु में आश्रय दिलाया गया। लॉकडाउन के दौरान ढाई से 15 साल तक के 38 बच्चे चाइल्ड लाइन पहुंचे हैं। किसी नवजात के मिलने का यह पहला मामला है। इटौंजा में मंगलवार सुबह माल रोड पर सड़क किनारे ग्रामीणों को बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। मौके पर गए तो झाड़ियों में नवजात को पड़ा देख पुलिस को सूचना दी।

कांग्रेस से सस्पेंड होने के बाद बोले संजय झा, मेरी वफादारी किसी एक व्यक्ति के प्रति नहीं

मुंबई , कांग्रेस विरोधी पार्टी गतिविधियों के लिए पार्टी से निलंबित किए गए संजय झा ने बुधवार को कहा कि वह पार्टी की विचारधारा के प्रति वफादार हैं, लेकिन उनकी ह्यवफादारी किसी व्यक्ति या परिवार के प्रति नहीं है। कांग्रेस के बागी नेता सचिन पायलट संबंधी मामले से निपटने के तरीके को लेकर पार्टी की आलोचना करने वाले झा ने कहा कि वह गांधीवाद-नेहरूवाद विचारधारा में यकीन रखने वाले व्यक्ति हैं और यह विचारधारा अब कांग्रेस से लुप्त हो रही है।

उद्योगपति से नेता बने झा ने कहा कि वह पार्टी के पुनरुत्थान के लिए आवश्यक मामलों को उठाना जारी रखेंगे और यह लड़ाई अभी शुरू ही हुई है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख बालासाहेब थोराट ने एक दिन पहले एक बयान में कहा था कि झा को पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासन के उल्लंघन के कारण पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। थोराट के बयान के एक दिन बाद झा ने बुधवार को कहा कि मेरी वफादारी कांग्रेस की विचारधारा के प्रति है।

मेरी वफादारी किसी एक व्यक्ति या परिवार के प्रति नहीं है। मैं गांधीवादी-नेहरूवादी हूं (यह विचारधारा अब कांग्रेस से लुप्त होती जा रही है)। मैं उन मामलों को उठाना जारी रखूंगा, जो मेरी पार्टी के पुनरुत्थान के लिए आवश्यक हैं। लड़ाई अभी शुरू हुई है।

झा ने अपने निलंबन को लेकर मंगलवार को प्रश्न किया था कि उन्होंने कौन सी पार्टी विरोधी गतिविधियां की हैं, जिनके कारण कांग्रेस ने उनके खिलाफ यह कदम उठाया?

1984 दंगों में सजा काट रहे पूर्व विधायक की कोरोना से मौत

नई दिल्ली, 1984 दंगों के मामले में मंडोली जेल में सजा काट रहे पूर्व विधायक महेंद्र यादव की कोरोना से मौत हो गई। उनकी मौत द्वारका के एक अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार रात करीब 9 बजे हुई। वह 70 साल के थे। वह पालम विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी रहे थे। कोरोना से संक्रमित होने के बाद मंडोली जेल में यह दूसरी मौत है। इससे पहले, 15 जून को एक बुजुर्ग कैदी की कोरोना से मौत हो चुकी है। उसी बैरक में महेंद्र यादव भी थे। तिहाड़ जेल के डीजी संदीप गोयल ने बताया कि पूर्व विधायक महेंद्र यादव 1984 दंगे मामले में 10 साल की सजा काट रहे थे। उन्हें 31 दिसंबर 2018 को जेल में लाया गया था। जेल प्रशासन ने बताया कि मंडोली की जेल नंबर-14 की एक बैरक में बंद 30 कैदियों में से एक की 15 जून को मौत हो गई थी। इसके बाद उस बैरक के तमाम 29 कैदियों का कोरोना टेस्ट कराया गया था। उनमें से 17 कैदियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। शुरूआत में महेंद्र यादव की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। 25 जून को उनका फिर से कोरोना टेस्ट कराया गया था। 26 को रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उस दिन उनकी तबीयत कुछ खराब थी। ईसीजी भी कराया गया था। जेल प्रशासन ने उन्हें 26 जून की दोपहर डीडीयू अस्पताल में भर्ती करा दिया था। उसी शाम उन्हें एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। उनके परिवार के आग्रह पर 30 जून की शाम को उन्हें द्वारका के आकाश हेल्थकेयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

हर पल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

क्राईम द मोस्ट वांटेड व क्राईम इंन्वेस्टिगेशन न्यूज देश के सभी जगहों पर हमारी खास न्यूज बतायी जा रही है अगर आपको, मोबाईल और लेपटॉप, पर देखनी हो तो www.harpaltvnews.com1 टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें :

Email-harpaltimes.press@gmail.com

कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की टेनिंग दी जा रही है..

सपर्क करें: ७०२१४२५४४२

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४० ००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/ १. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४ ० ० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादकः वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374

Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)